

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या-217

जिसका उत्तर 03 अगस्त, 2023 को दिया गया

भारी वर्षा का जल विद्युत संयंत्रों पर प्रभाव

*217. श्री बिद्युत बरन महतो:

श्री सुधीर गुप्ता:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या देश के उत्तरी भागों में भारी वर्षा के कारण गाद जमा होने से जल विद्युत संयंत्रों में प्रचालन बाधित हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या भारी वर्षा के कारण पिछले कुछ दिनों से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कई जल विद्युत परियोजनाएं बंद हैं;
- (ग) यदि हां, तो जल विद्युत संयंत्र-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन जल विद्युत संयंत्रों के न चलने के कारण सरकार को कितने राजस्व की हानि हुई है;
- (घ) क्या सरकार ने मूसलाधार वर्षा से प्रभावित जल विद्युत संयंत्रों की स्थिति की निगरानी करने के लिए कोई केन्द्रीय दल भेजा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
- (ङ) क्या सरकार ने जल विद्युत परियोजनाओं के प्रमुख को परियोजनाओं के आस-पास के क्षेत्रों में स्थिति की बारीकी से निगरानी करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का भी निर्देश दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (च) उक्त जल विद्युत संयंत्रों के कब तक पूरी तरह चालू कर दिए जाने की संभावना है?

उत्तर

विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री

(श्री आर.के. सिंह)

(क) से (च) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

“भारी वर्षा का जल विद्युत संयंत्रों पर प्रभाव” के बारे में लोक सभा में दिनांक 03.08.2023 को उत्तर दिए गए तारांकित प्रश्न संख्या 217 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (ग) : भारी वर्षा और अत्यधिक गाद के कारण, केंद्रीय तथा राज्य पीएसयूज द्वारा प्रचालनाधीन अनेक जल विद्युत परियोजनाओं को आंशिक रूप से बंद कर दिया गया था। उत्पादन कंपनियों को हुई राजस्व हानि सहित इन परियोजनाओं के ब्यौरे अनुबंध-I पर दिए गए हैं। इसके साथ-साथ, कुछ निजी क्षेत्र की परियोजनाएँ भी बंद हो गई थीं, राजस्व हानि सहित इन परियोजनाओं के ब्यौरे अनुबंध-II में दिए गए हैं।

(घ) : गृह मंत्रालय ने अपने दिनांक 14.07.2023 के का.जा. संख्या 09-01/2023- एनडीएम-I एवं 28-03/2023-एनडीएम-I द्वारा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के संबंधित राज्य प्रशासन द्वारा किए गए राहत कार्यों तथा क्षति के ऑन-द-स्पॉट मूल्यांकन के लिए अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीमों का गठन किया। इन टीमों का नेतृत्व गृह मंत्रालय द्वारा किया गया और इसमें कृषि एवं किसान कल्याण, वित्त (व्यय विभाग), जल शक्ति (जल संसाधन विभाग), विद्युत, सड़क परिवहन तथा राजमार्ग, ग्रामीण विकास और राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) मंत्रालयों/विभागों के प्रतिनिधि शामिल थे।

(ङ) और (च) : हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड की लारजी एचईपी (126 मेगावाट) को छोड़कर सभी जल विद्युत परियोजनाओं को पहले ही फिर से प्रचालनरत किया जा चुका है। लारजी एचईपी के जनवरी, 2024 तक पूरी तरह से प्रचालनरत होने की संभावना है।

अनुबंध-1

“भारी वर्षा का जल विद्युत संयंत्रों पर प्रभाव” के बारे में लोक सभा में दिनांक 03.08.2023 को उत्तर दिए गए तारांकित प्रश्न संख्या 217 के विवरण के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

केंद्रीय/राज्य क्षेत्रीय परियोजनाएं जो बहुत अधिक वर्षा और अत्यधिक गाद के कारण बंद हो गई थीं

क्रम सं.	परियोजना का नाम	संस्थापित क्षमता (मेगावाट)	राज्य	यूटिलिटी का नाम	बंद होने की अवधि	कुल राजस्व हानि (करोड़ रुपये में)
केंद्रीय क्षेत्र						
1	कोल डैम	800	हिमाचल प्रदेश	नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	11-07-2023 से 12-07-2023	2.5
2	नाथपा झाकड़ी	1500	हिमाचल प्रदेश	सतलुज जल	09-07-2023 से	26.07
3	रामपुर	412	हिमाचल प्रदेश	विद्युत निगम	13-07-2023	12.82
4	देहर	990	हिमाचल प्रदेश	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड	09-07-2023 से 14-07-2023	उत्पादन की हानि 563.81 एलयू है। राजस्व के संदर्भ में बीबीएमबी भागीदार राज्यों को उनके शेयर कोटा के अनुसार ऊर्जा की आपूर्ति करता है। बीबीएमबी द्वारा कोई टैरिफ नहीं लिया जा रहा है।
5	चमेरा-III	231	हिमाचल प्रदेश	नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन	08-07-2023 से 16-07-2023	10.63
6	चमेरा-II	300	हिमाचल प्रदेश		08-07-2023 से 27.07.2023	18.75
7	पारबती-III	520	हिमाचल प्रदेश		08-07-2023 से 27.07.2023	35.45
8	बैरासिडल	180	हिमाचल प्रदेश	नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन	08-07-2023 से 17-07-2023	5.46
उप-जोड़ (केंद्रीय)						111.68
राज्य क्षेत्र						
9	एसवीपी भाभा पावर हाउस	120	हिमाचल प्रदेश	हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड	08-07-2023 से 18-07-2023	1.90
10	लारजी	126			08-07-2023 से आज की तिथि तक	6.19
11	बस्सी	66			08-07-2023 से 11-07-2023	0.26
12	गिरि	60			08-07-2023 से 14-07-2023	0.78
13	चिब्रो	240	उत्तराखंड	उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड	09-07-2023 से 21-07-2023	विद्युत स्टेशन की अनिर्ंतर रूप से बंद की गई है।
14	खोदरी	120				
15	ढकरानी	33.75				
16	धौलीपुर	51				
17	कुल्हाल	30				
18	तिलोथ	90				
19	धरासू	304				
20	चिल्ला	144				
21	व्यासी	120				
22	बगलिहार-I	450	जम्मू व कश्मीर	जम्मू और कश्मीर राज्य विद्युत विकास निगम लिमिटेड	09-07-2023 से 12-07-2023	3.27
23	बगलिहार-II	450			09-07-2023 से 10-07-2023	3.21
उप-जोड़ (राज्य)						15.61
कुल राजस्व हानि						127.29* करोड़

*उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यूजेवीएनएल) और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की राजस्व हानि को छोड़कर।

अनुबंध-II

“भारी वर्षा का जल विद्युत संयंत्रों पर प्रभाव” के बारे में लोक सभा में दिनांक 03.08.2023 को उत्तर दिए गए तारांकित प्रश्न संख्या 217 के विवरण के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

निजी क्षेत्र की परियोजनाएं जो बहुत अधिक वर्षा और अत्यधिक गाद के कारण बंद हो गई थीं

क्रम सं.	परियोजना का नाम	संस्थापित क्षमता (मेगावाट)	राज्य	यूटिलिटी का नाम	बंद होने की अवधि	कुल राजस्व हानि (करोड़ रुपये में)
1	चांजू-I	36	हिमाचल प्रदेश	आईए एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	09-07-2023 से 12-07-2023	1.48
2	करछम वांगटू जलविद्युत संयंत्र	1045		जेएसडब्ल्यू एनर्जी	09-07-2023 से 13-07-2023	10.89
3	बासपा-II	300				4.63
4	अलियन दुहांगन	192		अलियन दुहांगन हाइड्रो प्राइवेट लिमिटेड	09-07-2023 से 16-07-2023	19.78
5	श्रीनगर एचईपी	330	उत्तराखंड	अलकनंदा हाइड्रो पावर कंपनी लिमिटेड	16-07-2023 से 17-07-2023	कुल उत्पादन हानि - 5440.87 मेगावाट घंटा
6	बाजोली होली	180	हिमाचल प्रदेश	जीएमआर	09-07-2023 से 13-07-2023	नहीं प्रदान की गई
कुल राजस्व हानि						*36.78 करोड़ रुपये

निजी यूटिलिटी को राजस्व हानि

*अलकनंदा हाइड्रो पावर कंपनी लिमिटेड और जीएमआर द्वारा राजस्व हानि को छोड़कर।
